भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 2488
गुरुवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ान यात्री कैफे

2488. श्री ई. टी. मोहम्मद बशीरः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने नई पायलट योजना 'उड़ान यात्री कैफे' शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पायलट परियोजनाओं के लिए चयनित हवाई अड्डों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार केरल राज्य में इस परियोजना का विस्तार करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): यात्रियों को किफायती भोजन उपलब्ध कराने की नई पहल के रूप में कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद हवाईअड्डों पर 'उड़ान यात्री कैफे' की अवधारणा शुरू की गई है।

अन्य हवाईअड्डों पर 'उड़ान यात्री कैफे' या इसी तरह के कम लागत वाले आउटलेट शुरू करना संबंधित हवाईअड्डा संचालकों के विवेक पर निर्भर करता है। खाद्य और पेय सेवाओं सहित गैर-वैमानिक गतिविधियों की कीमतें हवाईअड्डा संचालकों और रियायतग्राहियों द्वारा बाजार की गतिशीलता और वाणिज्यिक विवेचन के आधार पर निर्धारित की जाती हैं, क्योंकि वे सरकार द्वारा विनियमित नहीं हैं। इसके अलावा, हवाईअड्डों द्वारा उत्पन्न गैर-वैमानिक राजस्व (खाद्य और पेय पदार्थों सहित) का 30% वैमानिक शुल्कों को क्रॉस-सब्सिडी देने के लिए उपयोग किया जाता है, जिससे यात्रियों के लिए टिकट की कीमतें कम हो जाती हैं।

******